बच्चों के लिए एक कैथोलिक पत्रिका

वॉल्यूम 01 » पत्रिका अंक 01

KAIROS बड्स

India, UK, Middle East & Hindi Editions

इस अंक में

रोम में आशीष

द ट्रिविया गेम

तेरी विश्वासयोग्यता महान है

बड्स इस अंक में

4 मोनेस्ट्री ऑफ सांतोतोरीबियो देलिएबाना स्पेन

कार्टून

06 अंतिम भोज
10 संत अलोयसियुस गोंजाग - भाग 1
28 बिना नाम की फुटबॉल टीम?!

32 अजब.गजब बातें!

एक्टिविटी

15 बाईबल सुलेख
16 रंग भरिये
18 द ट्रिविया गेम
20 जीवन का वचन
34 चलो खेलें 'आई स्पाई'!

22 यीशु मुझसे प्यार करते हैं घड़ी

कूल कैथोलिक

08 विश्वासयोग्यता आपकी सीक्रेट सुपरपावर!
12 फादर जस्टिन पनाचिकल MSFS के साथ सवाल और जवाब

27 किड कैथोपीडिया
कैथौलिक विश्वकोश बच्चो के लिए
बेथानिया

30 दिव्य द्रष्टि
35 हॉली ह्यूमर

स्मार्ट किड्स

14 मेरी कहानी
21 मेरा कैनवास

24 रोम में आशीष

बड्स

PATRON
Major Archbishop Mar Raphael Thattil
(Ecclesiastical Advisor, Jesus Youth International)

SPIRITUAL DIRECTOR
Fr Joseph Ezhumayil
(Jesus Youth International Chaplain)

PRINTER AND PUBLISHER
Dr Edward Edezhath

EXECUTIVE DIRECTOR
Dr Midhun Paul
(Jesus Youth International Coordinator)

EDITOR-IN-CHIEF
Nobin Jose

MANAGING EDITOR
Joshy Joseph, Houston, USA

EXECUTIVE EDITOR
Tania Rose Josun | (editor.buds@jykairosmedia.org)

ISSUE EDITORS
Suby Emmanuel, India | Serena DSouza, USA | Sona Michael, USA

CIRCULATION COORDINATOR
Anto Puthur, Cochin, India +91 96055 11644

ASSOCIATE CIRCULATION COORDINATORS
AUSTRALIA Mintu Vijoy, Melbourne +61 452 538 785
BAHRAIN: Neenu Maria Jibin +973 33715472
BANGLADESH Tias Victor Palma +880 1717-152023
CAMBODIA Saphearong Ravy, Phnom Penh +855 96 426 5472
CANADA Abhilesh Thomas +1 289 952 1785
EAST TIMOR Sr. Julie Antony +670 77827618 (Whatsapp+91 97447 32431)
GERMANY Anna Paul, Berlin +49 176 83495451
INDIA Austin Michael, Mangalore +91 8277405251
IRELAND Suresh V Joy +353 87 963 0904
ISRAEL Jaison K Thattil, Tel Aviv +972 55 9974339
ITALY Anoop P Varghese +39 3884256258
KUWAIT Rajeev J Chacko, Ahmadi +965 66388310
MALAYSIA Sweety Kamala Prasad +60 162568139
NETHERLANDS Jojo Varghese, Utrecht +31 684974552
NEW ZEALAND Derick Daniel, Auckland +64 29 127 0650
OMAN Sanal +968 92120376
PAKISTAN Asif Emmanuel +92 3022534254
PAPUA NEW GUNIEA Abin Michael +675 7479 4368
QATAR Sija C Johny +974 3357 2544
SINGAPORE Savio Francies +65 9021 9798
SRILANKA Sonal Fernando +94 77 3818399
SWITZERLAND Anu Jose +41 799177100
THAILAND Vineeth Andrew +66 86 372 6601
UAE Dennies Antony +971 50821 3122
UGANDA Mboowa Ronald +256 706844152
UK Mathachen Maduckakuzhy +44 7969 365686
USA Denny Joseph +1 (832) 640-3106

FINANCE COORDINATOR
Leena Shaju, Cochin, India | +91 62382 79115 | finance@jykairosmedia.org

DESIGN
Manna Media Hub, Delhi, India | info@mannamediahub.com

MAILING ADDRESS
Kairos Media USA
3010 Mason Grove Ln
Pearland, TX,
USA. 77584
+1 832 592 3675

Kairos Media India
No 8/174, Navodaya
Studio Complex,
Thengod P.O,
Cochin, Kerala,
India. Pin: 682030
+91 9895711718

Kairos Media UK
St Charles Street,
Sheffield S9 3WU,
United Kingdom
+44 7969365686

To subscribe to this magazine scan QR code or visit www.jykairosmedia.org

DISCLAIMER: Kairos Media is the mass media initiative of Jesus Youth, an international Catholic movement approved by the Holy See. Kairos Media considers its sources reliable and verifies as much data as possible. However, reporting inaccuracies can occur. Consequently, readers using this information do so at their own risk. While every effort has been made to ensure that information is correct at the time of print, Kairos Media cannot be held responsible for the outcome of any action or decision based on the information contained in this publication/website. The publishers or authors do not give any warranty for the completeness or accuracy of this publications' content, explanation, or opinion. Although persons and ministries mentioned herein are believed to be reputable, neither Kairos Media nor any of its employees, sales agents, or contributors accept any responsibility whatsoever for such persons and ministries activities. No part of this publications and/ or website may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form without prior written permission from Kairos Media. Permission is only deemed valid if approval is in writing.

Kairos Media

@kairosbuds
@kairosbuds
@kairosbuds

संपादकीय

विश्वसनीय दोस्त

नन्हे दोस्तों,
क्या आपने कभी कोई वादा किया है? शायद आपने वादा किया कि आप अपना कमरा साफ करेंगे, किसी दोस्त की मदद करेंगे, या अपना होमवर्क पूरा करेंगे। अपने वादों को पूरा करना – और सही काम करना, चाहे वह मुश्किल हो – इसे विश्वास यानि कि भरोसा कहते हैं। और पता है क्या? विश्वास (ईमानदारी) पवित्र आत्मा के फलों में से एक है! (गलातियों 5:22–23)
इस महीने, आइए हम कुछ अनोखे बाइबल दोस्तों की मदद से यह सीखें कि विश्वासी होना क्या होता है।

नूह ने ईश्वर के कहने पर एक बहुत बड़ी नाव बनाई – भले ही लोग उस पर हँसे। उसने हार नहीं मानी, और ईश्वर ने उसकी और उसके परिवार और जानवरों की रक्षा की।

जब हम ईश्वर की सुनते हैं और उसका पालन करते हैं, तो हम विश्वास दिखा रहे होते हैं – बिल्कुल नूह की तरह!

दानिएल हर दिन ईश्वर से प्रार्थना करता था, भले ही एक नया नियम आया कि वह ऐसा न कर सके। उसे शेरों के बिल में फेंक दिया गया, लेकिन ईश्वर ने उसकी सुरक्षा की।

जब हम डर से ऊपर उठकर ईश्वर को चुनते हैं, तो हम विश्वास दिखाते हैं – दानियल की तरह!

दाऊद सिर्फ एक छोटा गड़रिया था, लेकिन उसने अपने छोटे काम में भी विश्वास रखा। उसने ईश्वर पर भरोसा किया और विशाल गोलियथ को हराया!

जब हम छोटे–छोटे काम भी प्यार और भरोसे के साथ करते हैं, तो ईश्वर हमारे जरिए बड़े काम कर सकते हैं – दाऊद की तरह!

अब्राहम ने कई सालों तक उस बेटे का इंतजार किया, जिसे ईश्वर ने देने का वादा किया था। भले ही उसे नहीं पता था कि कैसे होगा, उसने ईश्वर पर पूरा भरोसा रखा।

विश्वासी होने का मतलब है इंतजार करना और विश्वास रखना, भले ही जवाब तुरंत न दिखे – बिल्कुल अब्राहम की तरह!

तो, प्रिय नन्हे दोस्तों, जब आप किसी दोस्त के साथ दयालु होते हैं, रोज प्रार्थना करते हैं, या कठिनाई में भी अपने माता–पिता की सुनते हैं – आप अपने दिल में विश्वास का फल उगा रहे होते हैं!
ईश्वर पर भरोसा रखें, अपने वादे को पूरा करें और याद रखें: ईश्वर हमेशा आप पर विश्वास रखते हैं।

सप्रेम और प्रार्थना के साथ,

NOBIN JOSE, SINGAPORE
मुख्य संपादक
nobin.jose@jykairosmedia.org

मोनेस्ट्री ऑफ सांतो तोरीबियो दे लिएबाना

स्पेन

– धन्या मैथ्यू » 14 वर्ष

लिएबाना के सांतो तोरीबियो का मठ (मोनेस्ट्री) उत्तरी स्पेन में बहुत पुराना और खास जगह है। यह पहाड़ों के बीच, कैंटाब्रिया नाम के इलाके में, पोटेस नामक छोटे शहर के पास है। ईसाइयों के लिए यह जगह बहुत पवित्र मानी जाती है क्योंकि यहाँ वह लकड़ी का टुकड़ा रखा है, जिसे बहुत लोग "सच्चा क्रूस" मानते हैं – यानी वही क्रूस जिस पर येसु को सूली पर चढ़ाया गया था।

इस मठ का नाम सन्त तुरिबियुस ऑफ अस्तोरगा के नाम पर पड़ा है। वे यह लकड़ी का टुकड़ा पवित्र भूमि (Holy Land) से स्पेन लेकर आए थे। वे यहीं दफनाए गए हैं, और बहुत साल पहले से लोग उनकी कब्र पर प्रार्थना करने और दर्शन करने आने लगे। ६ ीरे–धीरे यह जगह संतियागो दे कॉम्पोस्तेला जैसी एक बड़ी तीर्थ यात्रा की जगह बन गई। हालाँकि मठ की शुरुआत 6वीं शताब्दी में हुई थी, लेकिन जो इमारतें आज दिखाई देती हैं, वे ज्यादातर 13वीं शताब्दी में बनीं और इन्हें "गॉथिक शैली" में बनाया गया। मुख्य चर्च में बड़े पत्थर के मेहराब, ऊँची छतें और दीवारों पर खूबसूरत नक्काशी है। यहाँ एक खास कमरा भी है जिसे "लिग्नुमक्रूसिसचौपल" कहते हैं, जहाँ क्रूस का टुकड़ा चाँदी के डिब्बे में रखा गया है।

इस मठ की एक बहुत ही अनोखी बात है – यहाँ एक "पवित्र द्वार" (Holy Door) है। पूरी दुनिया में बहुत ही कम जगहों पर ऐसा द्वार है – जैसे रोम और यरूशलेम में। यह दरवाजा

केवल "जुबली वर्ष" में खोला जाता है। जुबली वर्ष तब होता है जब 16 अप्रैल (सेंट तुरिबियुस का पर्व दिवस) रविवार को पड़ता है। उन सालों में हजारों लोग यहाँ पैदल आते हैं ताकि आशीर्वाद पा सकें और अपने पापों की क्षमा पा सकें।

मठ के आस–पास का इलाका बहुत ही शांत और सुंदर है। ऊँचे पहाड़ और हरी–भरी घाटियाँ चारों तरफ फैली हुई हैं। यहाँ से "पिकोस दे यूरोपा" नामक पहाड़ों का नजारा भी शानदार दिखता है।

कुछ रोचक तथ्य इस मठ के बारे में

1. माना जाता है कि यहाँ रखा क्रूस का टुकड़ा, सबसे बड़ा संरक्षित हिस्सा है।
2. यह टुकड़ा क्रूस के बाएँ हाथ वाले हिस्से से जुड़ा है। इसे काटकर क्रूस के आकार में जोड़ा गया है, और इसमें वह छेद भी है जहाँ येसु का हाथ कील से ठोका गया था।
3. इस पवित्र द्वार को "पुएर्तादेलपेरदोन" (Door of Forgiveness) कहा जाता है।

तो, कुल मिलाकर, लिएबाना के संत तोरीबियो का मठ बहुत पुराना, पवित्र और ऐतिहासिक जगह है। यहाँ लोग दुनिया भर से आते हैं – ईश्वर के करीब महसूस करने के लिए, सच्चा क्रूस देखने के लिए और पहाड़ों की शांति व सुंदरता का आनंद लेने के लिए।

बाइबल दूनिन

अंतिम भोज

(मारकुस 14: 12-26)

– सिस्टर सुमा थॉमस CSM

ILLUSTRATIONS: SOOSANNA JAXON

विश्वासयोग्यता

आपकी सीक्रेट सुपरपावर!

– ऐन्सी थॉम्पसन

सोचिए कि आप ईश्वर की सुपर टीम का हिस्सा हैं, और आपकी खास शक्ति है.... विश्वासयोग्यता (Faithfulness)!
लेकिन रुकिए, विश्वासयोग्यता होती क्या है?

विश्वासयोग्यता का मतलब है वफादार रहना, वादा निभाना और सही काम करना – ख़ासकर कि जब वो मुश्किल हो। ये ऐसा है जैसे आपका अच्छा दोस्त जो कभी आपको अकेला न छोड़े, या कोई सुपरहीरो जो हर बार सही समय पर आकर आपकी मदद करे।

क्या आप जानते हैं कि सबसे विश्वासयोग्य कौन है? ईश्वर।

बाइबल कहती है - "परन्तु प्रभु सत्य प्रतिज्ञ हैं। वह आप लोगों को सुदृढ़ बनाये रखेंगे और बुराई से आपकी रक्षा करेंगे।"
(2 थेसलनीकियों 3:3)

ईश्वर हमेशा आपसे प्यार करते हैं, आपको कभी नहीं भूलते और अपने वादे पूरे करते हैं और वे चाहते हैं कि आप भी विश्वासयोग्य बनो।

क्या आपने दानिएल की कहानी सुनी है?

दानिएल ईश्वर से बहुत प्यार करता था और हर दिन प्रार्थना करता था। सुबह। दोपहर। रात। लेकिन कुछ जलन करने वाले लोग उसे पसंद नहीं करते थे। उन्होंने राजा को धोखा दिया और नया नियम बनवाया: "30 दिन तक कोई भी ईश्वर से प्रार्थना नहीं करेगा, सिर्फ राजा से प्रार्थना करेगा। नहीं तो उसे शेरों की गुफा में डाल दिया जाएगा।"
क्या दानिएल ने प्रार्थना करना छोड़ा? नहीं! वह हमेशा की तरह खिड़की खोलकर घुटनों पर बैठकर प्रार्थना करता रहा। जलन करने वालों ने उसे देखा और राजा को बता दिया। राजा ने दानिएल को बड़े भूखे शेरों की गुफा में फेंक दिया! लेकिन दानिएल डरा नहीं। उसने ईश्वर पर भरोसा किया।
उस रात ईश्वर ने एक दूत भेजा जिसने शेरों के मुंह बंद कर दिए। शेर गरजे तक नहीं, बस चुपचाप सोए हुए बिल्लियों की तरह बैठ गए।
अगली सुबह राजा दौड़ते हुए आया और चिल्लाया – "दानिएल! तुम ठीक हो?!" दानिएल मुस्कुराया और बोला – "हाँ! ईश्वर ने मुझे सुरक्षित रखा।"

आप भी दानिएल की तरह विश्वासयोग्य बन सकते हैं:

- **रोज प्रार्थना कीजिए।**
- **सही काम कीजिए, चाहे मुश्किल क्यों न हो।**
- **हमेशा ईश्वर पर भरोसा रखिए।**

जब आप विश्वासयोग्य बनते हैं, तो आप अपनी ईश्वर की हुई सुपरपावर (Faithfulness) का इस्तेमाल करते हैं और ईश्वर की सुपर टीम का हिस्सा बन जाते हैं!

संत अलोयसियुस गोंज़ागा

भाग 1

Q&A सवाल और जवाब

फादर जस्टिन पनाचिकल MSFS के साथ

सवाल: हमें परमेश्वर के लिए अपना प्यार कैसे दिखाना चाहिए?

जवाब: यह बहुत अच्छा सवाल है। हम सब ईश्वर के साथ एक प्यार भरे रिश्ते में जीने के लिए बुलाए गए हैं (मत्ती 22:37 और 1योहन 4:16)। येसु हमें कहते हैं कि हम उनके और पिता परमेश्वर के प्रेम में बने रहें (योहन 15:9)। जब रिश्ता सच्चा होता है तो प्यार अपने आप दिखाई देता है। लेकिन अगर हम सिर्फ दिखावा करें और दिल से सच्चाई न हो, तो उसका कोई फायदा नहीं।

सोचो तुम अपने माता–पिता, भाई–बहन या सबसे अच्छे दोस्त से कितना प्यार करते हो। तुम उनके साथ समय बिताना चाहते हो, उनसे बातें करना चाहते हो, उनकी पसंद–नापसंद जानना चाहते हो। तुम यह भी ध्यान रखते हो कि उन्हें चोट न पहुँचे और उनकी इज्जत बनी रहे।

इसी तरह, अगर हम ईश्वर से सचमुच प्यार करते हैं तो हम ज़्यादा समय उनके साथ बिताएँगे – प्रार्थना में, बाइबल पढ़कर, पवित्र मिस्सा में शामिल होकर, पाप स्वीकार (कन्फेशन) करके, आराधना (**Blessed Sacrament** के सामने बैठकर) और व्यक्तिगत प्रार्थना करके, जैसे हम अपने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हैं। हम रोजरी और दूसरी प्रार्थनाएँ भी कर सकते हैं, छोटे–छोटे बलिदान दे सकते हैं और उपवास रख सकते हैं, ताकि हमारा रिश्ता ईश्वर से और मजबूत बने।

अगर हम ईश्वर से प्यार करते हैं तो हम पाप से दूर रहेंगे और अच्छे काम करेंगे। हम प्रार्थनाशील रहेंगे और यीशु को सबसे ऊपर रखेंगे।

अगर तुम सच में ईश्वर से प्यार करते हो, तो सोचो कि येसु उस समय क्या करते। जैसे – माता–पिता की आज्ञा मानना, झगड़े से दूर रहना, परीक्षा में नकल न करना, गाली–गलौज न करना। सही बात के लिए हिम्मत से "हाँ" या "ना" कहना। और यह सिर्फ बुरी बातें छोड़ने तक नहीं है, बल्कि अच्छी बातें करने में भी है – दोस्तों की मदद करना, दूसरों को माफ करना, पढ़ाई जैसे अपने काम अच्छे से करना।

तो सीधे शब्दों में – अगर हम ईश्वर से प्यार करते हैं तो हम पाप से दूर रहेंगे और अच्छे काम करेंगे। हम प्रार्थनाशील रहेंगे और येसु को सबसे ऊपर रखेंगे। लेकिन ध्यान रहे – ईश्वर को सिर्फ हमारे अच्छे कामों से ज़्यादा हमारी सच्चाई और नीयत प्यारी है। अगर हम कभी गलती भी कर जाएँ, फिर भी अगर दिल से कोशिश करते हैं तो वह हमें मदद करेंगे।

हमारे युवा पाठक विश्वास/ जीवन से जुड़े अपने प्रश्न हमें kairosbuds@jykairosmedia.org पर ईमेल कर सकते हैं या +1 346 339 4500 पर वॉट्सएप कर सकते हैं।

मेरी कहानी

हार न मानने की जिद

— जोअन जेरो डी'क्रूज » 16 वर्ष

प्यारे डायरी,

आज बड़ा स्पेलिंग बी कॉम्पिटिशन था। मैंने बहुत पढ़ाई की थी – फ्लैशकार्ड, खेल, सब कुछ। कल रात मैंने टीवी भी नहीं देखा, सिर्फ मम्मी के साथ मुश्किल शब्द दोहराए।

लेकिन जब मैं स्टेज पर गया, मेरे हाथ बहुत पसीने से भीग गए थे और दिल जोर–जोर से धड़क रहा था। शुरू के कुछ राउंड अच्छे गए, लेकिन फिर मुझे शब्द मिला – miscellaneous मैं घबरा गया। मुझे लोगों की फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी। मैंने 's' में गलती कर दी और घंटी बज गई।

मुझे रोना आ रहा था, वहीं स्टेज पर।

बाद में, जब हम कार में बैठे थे, मैं चुपचाप खिड़की से बाहर देख रहा था। तभी मम्मी ने मेरा हाथ पकड़ा और कहा, "मुझे पता है तुम उदास हो, लेकिन तुमने हिम्मत दिखाई।

तुम सबके सामने खड़े होकर अपनी पूरी कोशिश की। यही असली ताक़त है।"

फिर मम्मी ने मुझे बाइबिल का यह वचन याद दिलाया – "जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।" उन्होंने कहा, कई बार असली ताकत जीतने में नहीं, बल्कि हार के बाद भी फिर से कोशिश करने में दिखती है।

तो हाँ, मैं नहीं जीता।

लेकिन मैंने वो किया, जिससे मैं डरता था।

और यह भी मायने रखता है।

अगले साल मैं फिर कोशिश करूँगा। शायद असली ताक़त का मतलब परफेक्ट होना नहीं, बल्कि हार ना मानना होता है। और हाँ, अगली बार मैं miscellaneous सही लिख पाऊँगा।

क्या आपके पास कोई विश्वास का अनुभव है जो आप इस पृष्ठ के लिए भेजना चाहते हैं? उसे अपने पूरे नाम, उम्र और डाक पते के साथ kairosbuds@jykairosmedia.org पर भेजें।

बाइबल सुलेख

जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।

(फिलिप्पियों 4:13)

जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।
जो मुझे बल प्रदान करते हैं, मैं उनकी सहायता से सब कुछ कर सकता हूँ।

रंग भरिये

कलकत्ता की संत टेरेसा

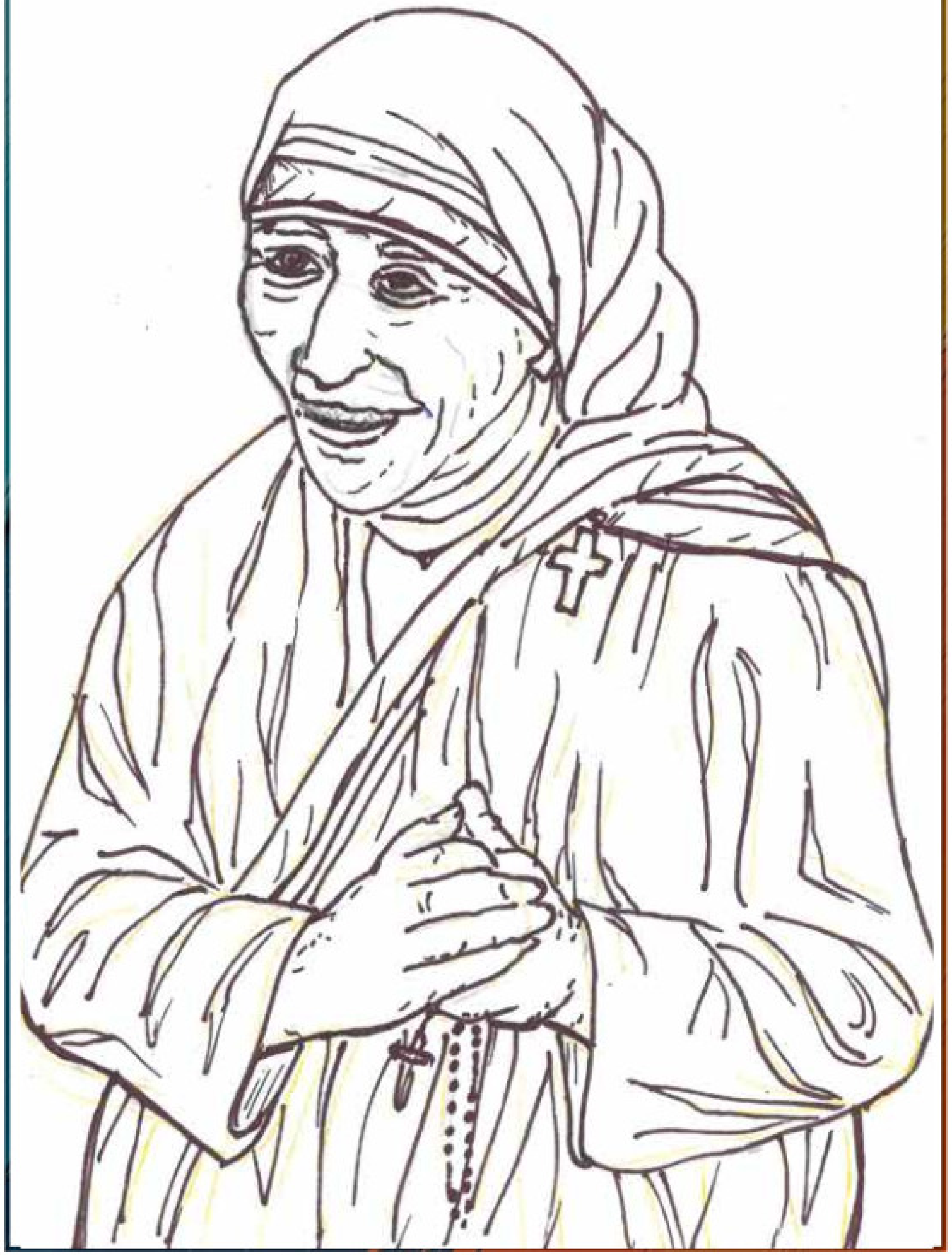

द ट्रिविया गेम
शुरू करें
01 संस्कार (Sacraments) कितने हैं? (2 घर आगे बढ़ो)
02 मार्था और मरियम के भाई का नाम क्या था? (1 घर आगे बढ़ो)
03 रोजरी माला (Rosary) के कितने रहस्य (Mystery) हैं? (4 घर आगे बढ़ो)
04 लक्की स्टेप (3 घर आगे बढ़ो!)
05 पेत्रुस (Peter) का भाई कौन था? (1 घर आगे बढ़ो)
06 हमारे पोप का नाम क्या है? (2 घर आगे बढ़ो)
07 जेबेदी (Zebedee) के पुत्र कौन थे? (1 घर आगे बढ़ो)
08 बाइबल की पहली पुस्तक का नाम बताओ। (1 घर आगे बढ़ो)
09 वह स्थान बताओ जहाँ येसु को क्रूस पर चढ़ाया गया। (2 घर आगे बढ़ो)
10 कौन सा संस्कार अंतिम भोज (Last Supper) की याद दिलाता है? (5 घर आगे बढ़ो)
11 किस संत ने मछलियों को उपदेश दिया? (3 घर आगे बढ़ो)
12 किस शहर में वेटिकन स्थित है? (2 घर आगे बढ़ो)
13 येसु ने लोगों को शिक्षा देने के लिए छोटी–छोटी कहानियाँ सुनाई। इन्हें क्या कहते हैं? (1 घर आगे बढ़ो)
14 कौन पेड़ पर चढ़ा ताकि येसु को देख सके? (2 घर आगे बढ़ो)
15 आराधना (Adoraton) के समय पवित्र संस्कार (Blessed Sacrament) किसव अंदर रखा जाता है? (3 घर आगे बढ़ो)
16 वह कौन–सा काल है जब कैथोलिक येसु के पुनरुत्थान की तैयारी करते हैं? (1 घर आगे बढ़ो)
17 कैथोलिक कलीसिया की स्थापना किसने की? (3 घर आगे बढ़ो)
18 पवित्र मिस्सा (Mass) में जब सुसमाचार पढ़ा जाता है तो हम क्या करते हैं? (1 घर आगे बढ़ो)
19 परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जन्म देने के लिए किसे चुना? (1 घर आगे बढ़ो)
20 कलीसिया का जन्मदिन कब मनाया जाता है? (1 घर आगे बढ़ो)
अंत
(इसके लिए आपके पास डाइस और गोटियाँ होनीचाहिए। 6 आने पर शुरू करें। सही उत्तर देने पर आगे बढ़ें। गलत उत्तर देने पर बारी छूट जाएगी। जो सबसे पहले खेल पूरा करेगा वही जीतेगा।)

सीखें और रंग भरें

उसकी सत्यप्रतिज्ञा अपूर्व है।

शोकगीत 3:23

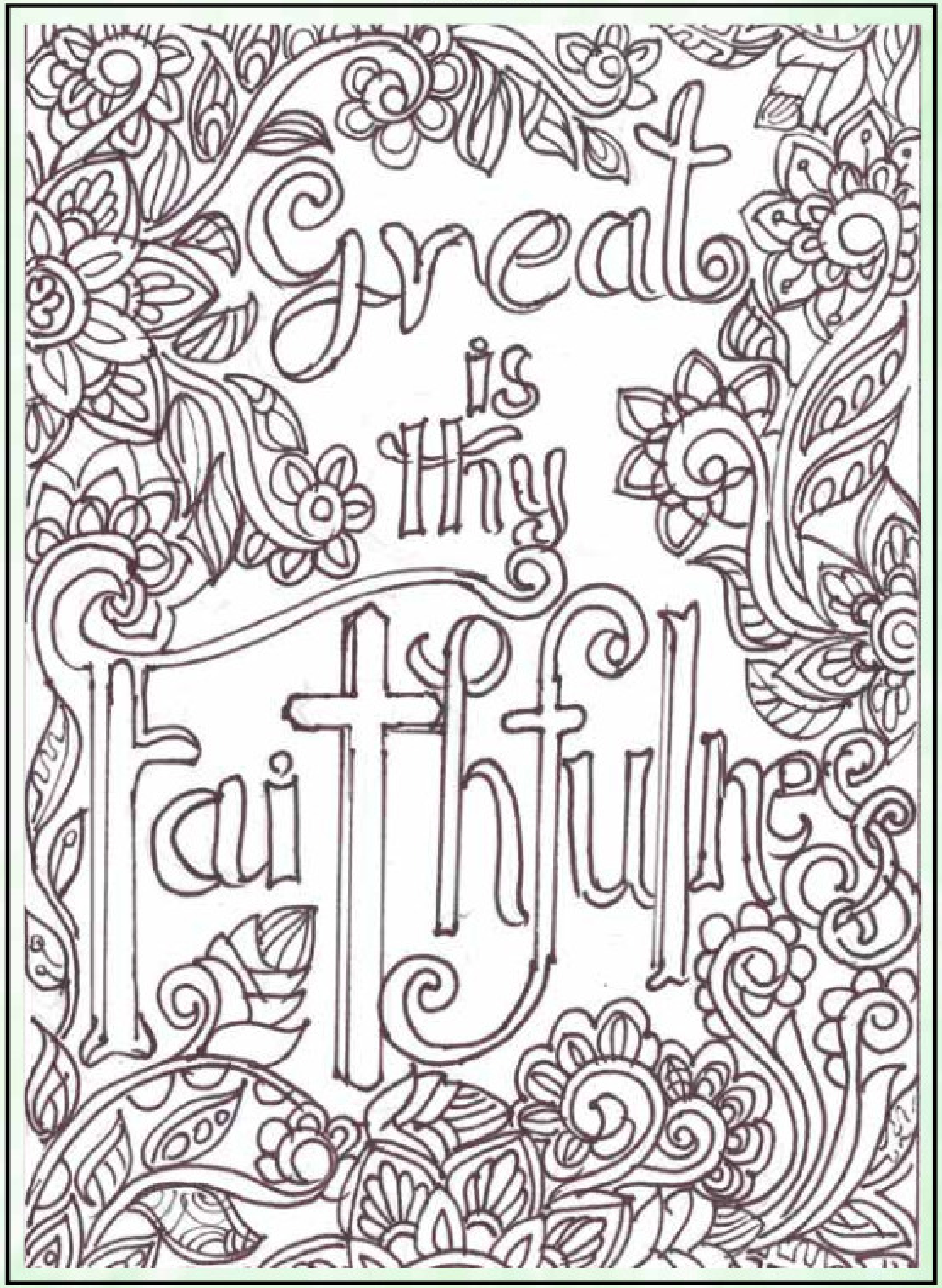

नन्हे चित्रकार

थेरेस मारिया बेन » 8 वर्ष
» एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया

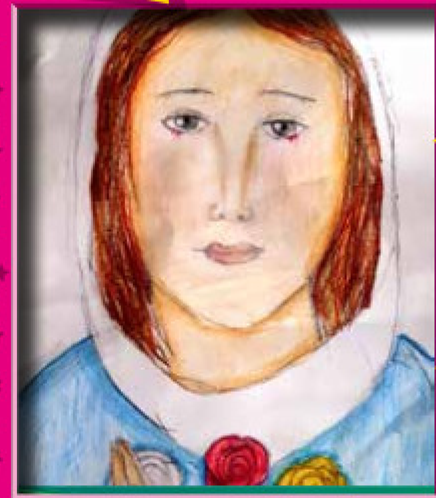

हन्ना जीजो » 12 वर्ष
» इनीडन, न्यू ज़ीलैंड

मारिया इम्माकुलेटा » 12 वर्ष
» होसूर, भारत

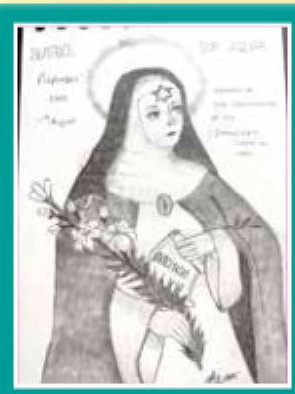

क्लेर बेन » 6 वर्ष
» एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया

जिया थॉमस » 11 वर्ष
» पलक्कड़, भारत

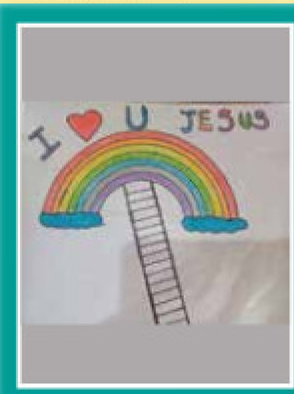

एरोन एंटो थेक्कन » 10 वर्ष
» बंगलूरू भारत

रेचल के. अनूप » 7 वर्ष
» कनाडा

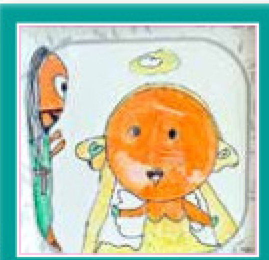

यदि आप इस पत्रिका के लिए कोई चित्र या लेख भेजना चाहते हैं तो उसे अपने पूरे नाम, उम्र और डाक पते के साथ **kairosbuds@jykairosmedia.org** पर भेजें।

‘यीशु मुझसे प्यार करते हैं’ घड़ी

– रोज मैरी टॉम

जरूरी सामानः

- 1 लम्बा टुकड़ा चार्ट/क्राफ्ट पेपर
- 1 चौकोर (Square) टुकड़ा चाट/क्राफ्ट पेपर
- कैंची
- गोंद
- पेन/पेंसिल/स्केच पेन

बनाने के स्टेप्स

स्टेप 1: चौकोर (Square) पेपर पर एक गोल घेरा बनाइए और उसे काट लीजिए।

स्टेप 2: गोल घेरे के बीच में एक दिल (❤) बनाइए। उसके चारों ओर घड़ी का समय लिखिए और बीच में लिखिए – ‘येसु मुझसे हर समय प्यार करते हैं’। या ***"Jesus Loves Me All The Time"*** यह आपकी घड़ी का डायल तैयार हो गया।

स्टेप 3: अब लम्बे पेपर के दोनों किनारों को गोल करके काटिए। उसके एक सिरे पर दो पतली कट लगाइए।

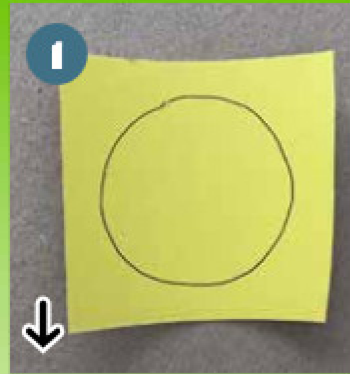

स्टेप 4: दूसरी तरफ के सिरे को पतला करके गोल किनारा बना लीजिए। यही आपकी पट्टी (स्ट्रैप) होगी।

स्टेप 5: अब पट्टी के पतले सिरे को उन दो चीरों में से निकालकर एडजस्ट कीजिए, जैसे असली घड़ी की पट्टी होती है।

स्टेप 6: अब घड़ी के बीच में (पट्टी के ऊपर) गोल डायल चिपका दीजिए।

लीजिए! आपकी सुंदर ‘येसु मुझसे प्यार करते हैं’ वाली घड़ी तैयार है।

नन्हे लेखक

रोम में आशीष

– अन्ना–क्लेयरआंथ्रापर » 15 वर्ष

रोम में एक बहुत ही गर्मी और धूप वाले दिन, मैं 2,50,000 लोगों की भीड़ के बीच वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्क्वायर में खड़ी थी। हम वहाँ पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे। असल में, हमारी योजना तो कुछ और थी। हम लंबे समय से ब्लेस्ड कार्लो अक्यूटिस के संत घोषित होने (कैनोनाइजेशन) में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन यात्रा से ठीक एक दिन पहले, हमारे पवित्र पिता, पोप फ्रांसिस का निधन हो गया। यह खबर हमें बहुत दुखद और अचानक लगी। हमें पता था कि पोप बहुत बीमार हैं, लेकिन ऐसा होगा, हमने सोचा नहीं था। तब तक टिकट बुक हो चुके थे, इसलिए हमने सब कुछ ईश्वर की इच्छा पर छोड़कर इटली जाने का फैसला किया।

रोम पहुँचने से पहले हमने वेनिस, पादुआ और असीसी का दर्शन किया। हर जगह हमें संतों की निशानियाँ और सुंदर गिरजाघर देखने मिले। वेनिस में तो हर गली में कोई न कोई चर्च था, और लगभग हर मोड़ पर माता मरियम की मूर्तियाँ या तस्वीरें। वहाँ हमने संत लूसी के अविनाशी शरीर और उनका विशाल गिरजाघर देखा। अगले दिन पादुआ में हमने संत एंथनी के चर्च में प्रार्थना सभा (मिस्सा) में भाग लिया। उसी रात हम बारिश में भीगे–भीगे असीसी पहुँचे। वहाँ पहुँचते ही मुझे बहुत शांति महसूस हुई, जैसे मैं अपने घर लौट आई हूँ।

असीसी में हमने उस संत को देखा, जिनके लिए हम इतने दूर आए थे – ब्लेस्ड कार्लो अक्यूटिस। वहाँ बहुत भीड़ थी क्योंकि "टीनएजर्स जुबली" भी चल रही थी। दुनिया भर से किशोर कार्लो के शरीर को देखने आए थे। जब मैंने कार्लो को देखा तो मुझे दिल में अजीब–सी शांति मिली। वह एक साधारण लड़का था, मेरी तरह ही, लेकिन उसने अपना जीवन बहुत खास तरीके से जीया – पूरे दिल से येसु और यूखरिस्त (Eucharist) से प्रेम करते हुए।
कार्लो का शरीर अविनाशी (incorrupt) नहीं है। उनके शरीर को मृत्यु के बाद निकालकर मोम और सिलिकॉन से ढक दिया गया है। असीसी के बिशप ने कहा था, "कार्लो साधारण लड़के की तरह जीए और साधारण लड़के की तरह ही मरे।" लेकिन उनके अंदर ईश्वर के प्रति असाधारण प्रेम था। उन्हें असीसी के सेंट मारिया माज्जोरे चर्च, में काँच के ताबूत में रखा गया है। वे जीन्स और नाइकी के जूते पहने हुए हैं। वहाँ बैठकर, इतने पास से उन्हें देखना, सचमुच एक अद्भुत अनुभव था।

दो दिन असीसी में बिताकर हम रोम पहुँचे। रोम का अनुभव बिल्कुल अलग था – बड़ा शहर, भीड़, शोर और गर्मी। वहाँ हमने दोस्तों से मुलाकात की, पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार अटेंड किया और फिर रोमन फोरम के खंडहर देखे। हमने रोजाना मिस्सा के लिए सेंट जोआकिम और एना का चर्च देखा, और साथ ही सेंट फिलिप नेरी, लेटरन बेसिलिका, वेटिकन म्यूज़ियम और सबसे बड़ा चर्च – सेंट पीटर्स बेसिलिका। उसके अंदर जाना बहुत

ही अद्भुत लगा। वहाँ कई संतों और पोप की कब्रें हैं, खासकर मेरे पसंदीदा पोप–सेंट जॉनपॉल द्वितीय की।

रोम में मैं और मेरा छोटा भाई एक खेल खेलते थे – "कितने पादरी मिल सकते हैं?" इसके अंक ऐसे थे: पोप = 15 अंक (लेकिन हमें कोई पोप नहीं मिले), कार्डिनल = 10 अंक, बिशप = 5 अंक, पादरी = 1 अंक। डीकन और सेमिनेरियन = आधा अंक। मुझे कुल 103 अंक मिले! रोम में हर जगह पादरी दिखते थे – चर्च में, एयरपोर्ट में, यहाँ तक कि मैकडोनाल्ड्स में भी। वहाँ यह सब बिल्कुल सामान्य था। यही कारण है कि रोम को सचमुच "कलीसिया का हृदय" कहा जाता है।

यह अनुभव मेरे जीवन को हमेशा के लिए बदल गया। हमारी योजना तो कुछ और थी, लेकिन ईश्वर ने इसे एक सच्ची तीर्थयात्रा बना दिया, जो हमें अनगिनत आशीष दे गई।

असीसी शांत और सुकून भरा था, लेकिन रोम भीड़भाड़ वाला और गर्म। उस समय तो हमें कठिन लगा, लेकिन अब सोचती हूँ तो समझ आती है कि यह यात्रा कितनी आशीषों से भरी थी। इतने सारे लोगों के बीच रहना, जो उसी विश्वास में विश्वास करते हैं जैसे हम करते हैं, बहुत हिम्मत देने वाला था। यह अनुभव मेरे जीवन को हमेशा के लिए बदल गया। हमारी योजना तो कुछ और थी, लेकिन ईश्वर ने इसे एक सच्ची तीर्थयात्रा बना दिया, जो हमें अनगिनत आशीष दे गई।

किड कैथोपीडिया

कैथौलिक विश्वकोश बच्चो के लिए

– मारिया टेरेस सेबास्टियन

बेथानिया (Bethany)

हिब्रूः बेतआन्या (בֵּית עַנְיָה)
मतलबः 'दुख का घर' या 'अंजीरों का घर'

बेथानिया येरूशलेम के पास एक छोटा–सा गाँव था, जिसका जिक्र बाइबल में कई बार आता है। यही पर मरियम, मरथा और लाजरुस रहते थे – जिन्हें येसु बहुत प्यार करते थे। येसु अक्सर उनके घर ठहरते थे। यहीं पर येसु ने एक बड़ा चमत्कार किया – अपने दोस्त लाजरुस को कब्र से जिंदा किया! **(सन्त योहन 11)**

रोचक बातः

येसु ने स्वर्गारोहण (Heaven में जाना) बेथानिया के पास ही किया! पिता के पास लौटने से पहले उन्होंने जैतून पहाड़ पर अपने शिष्यों को आशीर्वाद दिया। **(सन्त लूकस 24:50–51)**

हमारे लिए सीखः

बेथानिया वह जगह थी जहाँ येसु को दोस्ती और आराम मिलता था। जैसे मरियम, मरथा और लाजरुस ने येसु को अपने घर में जगह दी, वैसे ही हमें भी येसु को अपने दिल और रोज की जिंदगी में जगह देनी चाहिए।

मैं कौन हूँ?

→ मेरी दो बहनें थीं, और येसु ने मुझे जिंदा किया। मैं कौन हूँ?

....

→ येसु ने मुझसे कहा कि मैं बहुत सी बातों में उलझी हूँ, लेकिन मेरी बहन ने बेहतर चीज चुनी है। मैं कौन हूँ?

....

→ मैं येसु के पैरों के पास बैठकर उनकी बातें सुनती थी। मैं कौन हूँ?

....

उत्तरः 1. लाजरुस, 2. मरथा, 3. मरियम

बिना नाम की फुटबॉल टीम?!

– तानिया रोज जोसन

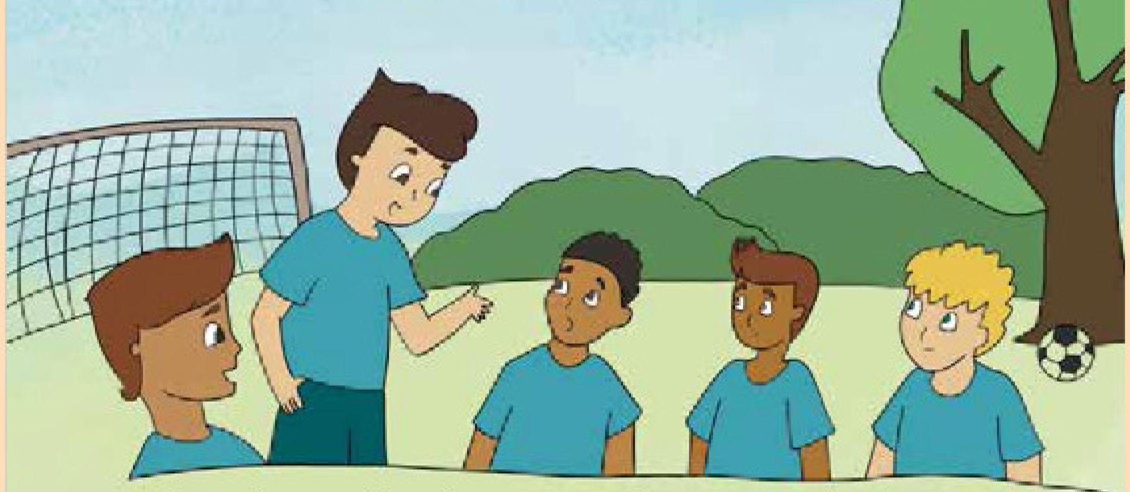

एक शनिवार की शाम, केविन और मथायस काटो अपने दोस्तों के साथ मैदान में फुटबॉल खेल रहे थे। पिछले दो महीनों से केविन अपने दोस्तों को खेल में कोच करने में मदद कर रहा था। अब उनकी टोली हर शनिवार शाम मैच के लिए इकट्ठा होती थी। एक दिन जोरदार मैच के बाद सब घास पर बैठकर आराम करने लगे।

'दोस्तों,' केविन ने कहा। 'मैंने सुना है कि सेंट जॉर्ज हाई स्कूल, कोच रैम्से की याद में एक फुटबॉल मैच आयोजित करने वाला है। हाल ही में उनका देहांत हो गया।'

'तुम्हें ये कैसे पता चला, केव?' एडी ने पूछा।

'पापा बात कर रहे थे,' केविन ने जवाब दिया। 'पापा कोच रैम्से को जानते थे। कहते थे वो बहुत अच्छे कोच थे और उनकी टीम उन्हें बहुत मानती थी।'

'तो वो सेंट जॉर्ज स्कूल में काम करते थे?' मथायस ने पूछा।

'हाँ, मैटी। कोच रैम्से ने वहाँ 25 साल से भी ज्यादा काम किया था।

'तो ये मेमोरियल मैच...?' शॉन ने हाल ही में बुढ़ापे से उनका निधन हो गया,' केविन ने कहा।

पूछना शुरू किया।

'हाँ शॉन! ये मैच सब टीमों के लिए खुला है। क्यों न हम भी इसमें हिस्सा लें?!' केविन ने उत्साहित होकर कहा।

उसके दोस्तों ने पहले उसे हैरानी से देखा और फिर तरह–तरह के भावों के साथ चुप हो गए।

'दोस्तों! शांत हो जाओ!' केविन बोला।

सबसे पहले एडी ने बात की – 'लेकिन केविन, हम लोग तो सिर्फ दो महीने से खेल रहे हैं। जो टीमें आएंगी, वो तो हमसे कहीं ज्यादा अच्छी होंगी!'

'हाँ केव! और हम तो सही मायने में टीम भी नहीं हैं! हमारा तो कोई नाम भी नहीं है!' टिम्मी चिल्लाया।

केविन ने सबको समझाया – 'दोस्तों, ये मैच सबके लिए है – स्कूल की टीमों के लिए, क्लब्स के लिए, और हमारी तरह की टीमों के लिए भी। हाँ, अभी हमारा कोई नाम नहीं है और हम नए हैं। लेकिन फिर भी कोशिश तो कर सकते हैं, है ना?'

सभी दोस्तों ने एक–दूसरे को अजीब नजरों से देखा।

केविन ने मुस्कुराकर फिर कहा – 'तो दोस्तों, अरागॉन के शब्दों में – क्या कहते हो?!'

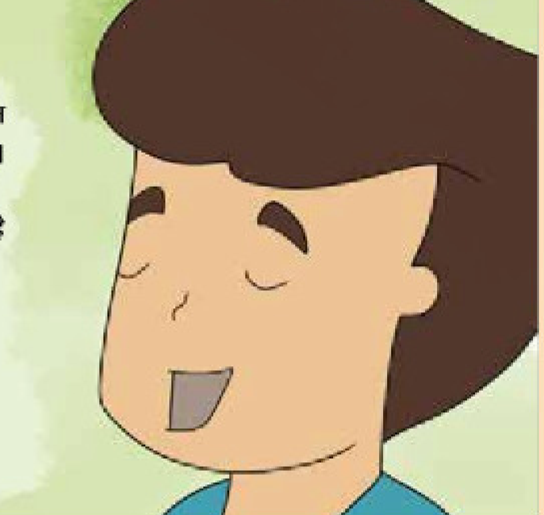

जारी....

STORY: TANIA ROSE JOSUN ILLUSTRATIONS: STEFFI ANDRAT FARIA

क्राइस्ट ऑफ सेंट जॉन ऑफ द क्रॉस

– डॉ. जिंटो पोट्टक्कल

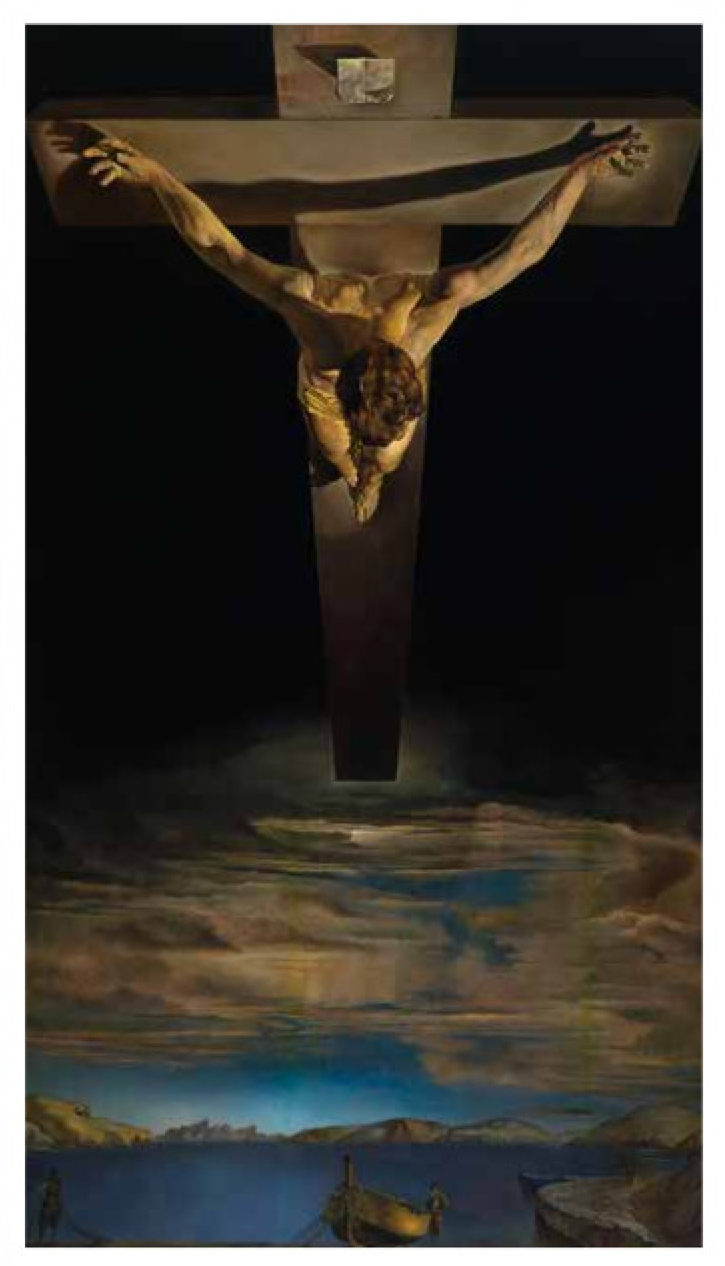

क्या आप जानते हैं कि बहुत से प्रसिद्ध कलाकारों की प्रेरणा कहाँ से आई? हमारी कैथोलिक कलीसिया से! हाँ, इन कलाकारों को बाइबिल, संतों के जीवन और कलीसिया की शिक्षा से प्रेरणा मिली।

स्पेन के कलाकार सल्वाडोर डैली भी ऐसे ही थे। उनकी मशहूर पेंटिंग "क्राइस्ट ऑफ सेंट जॉन ऑफ द क्रॉस" संत जॉन ऑफ द क्रॉस की बनाई एक छोटी सी ड्रॉइंग से प्रेरित थी। इस पेंटिंग में येसु को क्रूस पर ऊपर से दिखाया गया है। नीचे झील, नाव और मछुआरे दिखाई देते हैं।

डैली ने खुद बताया कि उन्हें कैसे प्रेरणा मिली: "पहली बार जब मैंने संत जॉन की ड्रॉइंग देखी, तो मैं बहुत प्रभावित हुआ। बाद में मुझे एक सपना आया जिसमें मैंने येसु को उसी तरह क्रूस पर देखा, लेकिन पृष्ठभूमि में मेरे गाँव का समुद्र–तट था। मैंने आवाजें सुनीं जो कह रही थीं – 'डैली, तुम्हें इस मसीह को पेंट करना है।' अगले ही दिन मैंने यह पेंटिंग शुरू कर दी।"

आज यह पेंटिंग स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर के केल्विंग्रोव आर्ट गैलरी एंड म्यूजियम में रखी हुई है।

डैली अपनी कल्पनाशील पेंटिंग्स के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। उनका जन्म 1904 में स्पेन में हुआ। बचपन से ही उनमें कला की प्रतिभा थी। उन्होंने पेंटिंग के अलावा फिल्म, मूर्तिकला और फोटोग्राफी में भी काम किया। उनकी कला की शैली को सर्रियलिज्म (Surrealism) कहते हैं, जिसमें सपनों और हकीकत का मिश्रण होता है। डैली की कला लोगों को कल्पनाओं की दुनिया में ले जाती है। उनका निधन 1989 में हुआ, लेकिन आज भी उनकी कलाकृतियाँ दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती हैं।

सेंट जॉन ऑफ द क्रॉस द्वारा बनाई गईमूल ड्रॉइंग

इस पेंटिंग में डैली ने येसु को बिना चोटों के दिखाया है। न कीलों के निशान, न खून, न कांटों का मुकुट। इसलिए येसु शांत और विजयी दिखते हैं। यह हमें येसु के पुनरुत्थान और पाप व मृत्यु पर उनकी जीत की याद दिलाता है।

ऊपर से देखने का अंदाज हमें यह महसूस कराता है जैसे परमेश्वर पिता अपने बेटे की बलि को देख रहे हों। येसु का शरीर और क्रूस मिलकर नीचे की ओर एक त्रिकोण का आकार बनाते हैं। यह पवित्र त्रित्व (पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा) की याद दिलाता है। ध्यान से देखें तो उस त्रिकोण की रेखाएँ येसु के घावों से जुड़ती हैं, और यह त्रिकोण एक गोले में बना है।

क्रूस के नीचे झील का शांत पानी, नाव और मछुआरे दिखाई देते हैं। येसु के चारों ओर की तेज रोशनी अंधेरे आकाश के बीच चमकती है। यह बताती है कि येसु का प्रेम और शक्ति अंधकार पर विजय पाते हैं।

संत जॉन ऑफ द क्रॉस के बारे में:

वे 16वीं सदी में स्पेन में रहते थे। वे अपनी गहरी आध्यात्मिक सोच और सुंदर कविताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्हें कलीसिया में एक मिस्टिक (आध्यात्मिक साधक) के रूप में आदर मिलता है। उनकी सबसे प्रसिद्ध कविता "डार्क नाइट ऑफ द सोल" है, जो लोगों को कठिनाइयों में भी परमेश्वर के प्रेम पर भरोसा रखना सिखाती है।

संत जॉन ऑफ द क्रॉस ने संत टेरेसा ऑफ अवीला के साथ मिलकर कार्मेलाइट आदेश (Carmelite Order) में सुधार किया। वे सादगी और ध्यान–प्रार्थना की ओर लौटने की शिक्षा देते थे।

टोनी और टीना

अजब-गजब बातें!

कहानीः अनीश सनी थॉमस ILLUSTRATIONS: SANISH DIVAKARAN

पहेली

चलो खेलें 'आई स्पाई'!

इस बार का आई स्पाई थोड़ा अलग है। इसमें आपको बाइबल से शब्द ढूँढने हैं। हमारा विषय है "विश्वासयोग्यता (Faithfulness)", इसलिए सारे पद (Verses) भी इसी पर होंगे।

1. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'अ' से शुरू होता है। (संकेत: शोकगीत 3:22–23)
2. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'स' से शुरू होता है। (संकेत: 2 थेसलनीकियों 3:3)
3. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'ह' से शुरू होता है। (संकेत: सूक्ति ग्रन्थ 3:3)
4. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'भ' से शुरू होता है। (संकेत: इब्रानियों 10:23)
5. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'अ' से शुरू होता है। (संकेत: विधिविवरण ग्रन्थ 7:9)
6. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'श' से शुरू होता है। (संकेत: स्तोत्र ग्रन्थ 91:4)
7. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'स' से शुरू होता है। (संकेत: 1 कुरिन्थियों 1:9)
8. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'न' से शुरू होता है। (संकेत: भजन संहिता 143:1)
9. अपनी नन्हीं आँखों से, ऐसा शब्द ढूँढो जो 'अ' से शुरू होता है। (संकेत: 1 इतिहास ग्रन्थ 16:34)

बहुत मजेदार!

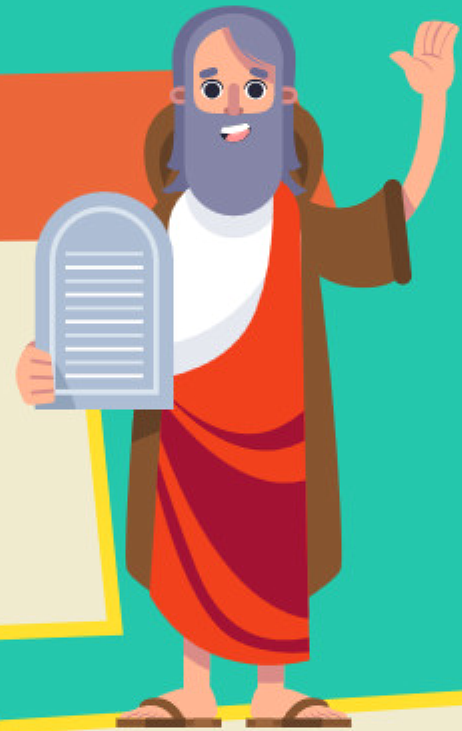

सवालः जब मूसा (*Moses*) को सिरदर्द हुआ तो क्या हुआ?

› ईश्वर ने उन्हे tablet दीं।

सवालः हर जानवर की दो-दो जोड़ियाँ बचाने के लिए नाव चाहिए?

› आई नोआ (know a) मैन

सवालः जब एक डीकन, एक पादरी और एक बिशप रेस्टोरेंट में खाना माँगते हैं, तो उन्हें क्या कहते हैं?

› हॉली ऑर्डर्स!

द ट्रिविया गेम के उत्तर:
1. सात, 2. लाजर, 3. 5, 4. लक्की स्टेप, 5. अन्द्रियास (Andrew), 6. पोप लियो चौदहवें, 7. याकूब और योहन, 8. उत्पत्ति (Genesis), 9. कलवारी, 10. पवित्र यूखरिस्त (Holy Eucharist), 11. पदुआ के संत एंथोनी, 12. रोम, 13. दृष्टान्त (Parables), 14. जक्कई (Zacchaeus), 15. मॉन्स्ट्रांस (Monstrance), 16. चालीसा काल (Lent), 17. येसु, 18. खड़े होते हैं, 19. माता मरियम, 20. पेन्तेकोस्त

संत कार्लो अक्यूटिस, हमारे लिए प्रार्थना कर

हे परमपिता परमेश्वर, कार्लो को हमें देने के लिए
हम आपका धन्यवाद करते हैं,
जो युवाओं के लिए एक आदर्श और सभी के लिए प्रेम का संदेश है।
आपने उसे अपने पुत्र येसु से प्रेम करना सिखाया,
और यूखरिस्त को उसके लिए 'स्वर्ग का राजमार्ग' बना दिया।
आपने उसे मरियम को एक अत्यंत प्रिय माता के रूप में दिया,
और उसे उनकी माला–विनती के साथ उनकी
कोमलता का गीतकार बना दिया।
वह हमारे लिए उनकी मध्यस्थता को प्रस्तुत करता है।
वह विशेषकर गरीबों की ओर देखता है,
जिनसे वह प्रेम करता और जिनकी वह मदद करता था।
उसकी मध्यस्थता से मुझे भी वह अनुग्रह प्रदान कर
जिसकी मुझे आवश्यकता है .... और हमारी खुशी
पूर्ण कर, कार्लो को सर्वव्यापी कलीसिया के संतों
में शामिल कर,
ताकि उसकी मुस्कान हमारे लिए और
आपके नाम की महिमा के लिए
सदा चमकती रहे।
आमेन।

हे हमारे पिता ....
प्रणाम मरिया ....
पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा हो ....

For Private Circulation Only